

महासचिव का प्रतिवेदन



आदरणीय अध्यक्ष जी, मुख्य अतिथि सह उद्घाटन कर्ता, मंचासीन समस्त विशिष्टजनों, आगन्तुक सज्जनों, पत्रकार एवं मीडिया कर्मी बन्धुओं, सभागार में उपस्थित सभी भाई-बहनों, छात्र-छात्राओं, केन्द्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकागण। कुशवाहा अभियंता फोरम के 30वीं वार्षिक आम-सभा के शुभ अवसर पर नव निर्मित “मौर्य कुशवाहा अभियंता भवन” में आप सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन है।

प्राकृतिक रूप से प्रत्येक जीव अपनी श्रेष्ठता के स्तर में निरन्तर प्रगति करता है जो कि प्रकृति की भी अभिलाषा है। स्वयं को सर्वश्रेष्ठ व सर्वोच्च स्तर पर स्थापित करना प्राणी मात्र का नैसर्गिक स्वभाव है। किन्तु सर्वोच्चता के अवसर सीमित संख्या मे उपलब्ध होते हैं। ऐसे मे विभाजन, अलगाव, बगावत इत्यादि की प्रवृत्ति जन्म लेती है। मानव के परिपेक्ष्य में यह प्रवृत्ति अनेक मानवीय मूल्यों को रौंदकर आगे बढ़ने को आतुर है। जबकि बहुसंख्या में समान मूल्य, विकास व अधिकारों का संरक्षण संघीय स्वरूप के द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

समाज में संगठन एवं अनुशासन दोनों का महत्व है। शिष्ट व्यक्ति एवं समाज वही होता है, जो दोनों को साथ लेकर चलता है। वही संगठन स्थायी रह सकता है-जिसके सदस्य अनुशासित हों।

कुशवाहा में सामाजिक चेतना, जागृति, ईमानदारी, कर्मठता, कामों के प्रति समर्पण- अन्य वर्गों से अपेक्षाकृत ज्यादा है। इतिहास गवाह है, जब भी इस समाज के लोगों ने राज्य, देश का नेतृत्व किया है, वह समय अनुकरणीय रहा है। आज भी कुशवाहा समाज के शासकों के कार्यों का अनुकरण किया जा रहा है।

“कुशवाहा अभियंता फोरम” अपने स्थापना काल से ही कुशवाहा समाज में अभियंताओं के माध्यम से भाईचारा, परस्पर सहयोग, समन्वय आदि स्थापित करने का पवित्र काम करते आ रहा है। फोरम ने जहाँ कुशवाहा बन्धुओं में स्वाभिमान जागृत किया है, वही कुशवाहा अभियंताओं में नेतृत्व करने की क्षमता भी उत्पन्न किया है। यह कुशवाहा अभियंता फोरम एवं इस जैसी अनेक सामाजिक संस्थाओं के निःस्वार्थ सेवा कार्यों का ही प्रतिफल है।

व्यक्ति जिस परिवार, समाज, राज्य एवं देश में पैदा हुआ है उस परिवार, समाज, राज्य एवं देश की व्यवस्था से लाभ उठाकर ऊँचाईयों तक पहुँचा है, या अपने को भरण-पोषण के योग्य बनाया है, उसका भी दायित्व बनता है कि उस परिवार, समाज, राज्य एवं देश के विकास में सहयोग करे। वर्तमान भौतिक वादी युग में लोग अपने तक सिमटते जा रहे हैं। पति-पत्नी एवं अपने ही बच्चों को ही परिवार समझने की संकीर्ण मानसिकता पाल लिये हैं। समाज के लिए एक पल भी निकालना मुनासिब नहीं समझते। इससे बाहर निकलने की आवश्यकता है, जो परिवार, समाज, राज्य एवं देश आपको योग्य बनाया है उसके प्रति अपनी सोच बदलने की आवश्यकता है। अपनी क्षमता के अनुरूप परिवार समाज,

राज्य एवं देश के विकास के लिए किये जा रहे कार्यों में सहयोग देने की आवश्यकता है। साधारण सा सिद्धान्त है कि आप समाज के उत्थान के लिए मदद करते हैं तो वह स्वतः देश एवं राज्य के मदद में सहायक बन जाता है।

आज समझने की आवश्यकता है कि फोरम के सारे सदस्य हमारे हैं, अपने हैं और हम उनके लिए हैं, तभी कुछ हो सकता है। फोरम को सुदृढ़ बनाने में इसके सदस्यों की समस्याओं पर सम्यक ध्यान दे कर सुलझाने की आवश्यकता है। सदस्यों के दुःख-सुख में सहभागी बन कर उनको मदद करने की आवश्यकता है। सदस्य को ऐसा लगना चाहिए कि आप का संगठन उनके लिए तत्पर है, तो वह आप से अवश्य जुड़ेंगे। प्रायः देखा गया है कि समस्या का समाधान होने की सम्भावना जहाँ दिखाई देती है, लोग वहाँ अवश्य जाते हैं। इसके लिए आपसी मेलजोल को बढ़ाने की आवश्यकता है।

कुशवाहा अभियंता फोरम का गठन :- कुशवाहा अभियंता फोरम का गठन समाज के चहुँमुखी विकास के लिए वर्ष 1992 में किया गया था।

फोरम का निबंधन :- फोरम का निबंधन सोसाईटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 21, 1860 के तहत है। जिसका निबंधन सं०-901/2001-2002 है।

आयकर की धारा 12A में निबंधन :- फोरम का निबंधन आयकर के अधिनियम 1961 धारा 12A में है। जिसका निबंधन सं०-6157-6159 दिनांक 24.01.2003 है। इस अधिनियम में कल्याणकारी घोषित संस्था का ही निबंधन होता है। इस अधिनियम में निबंधन से बैंक में जमा राशि से प्राप्त ब्याज पर आयकर की कटौती नहीं होती है।

आयकर के धारा 80G में निबंधन :- फोरम का निबंधन आयकर अधिनियम 1861 की धारा 80G में आजीवन है। जिसका आ०आ०-562-65 दिनांक 04.08.2011 है। फोरम को किसी भी मद में चेक के माध्यम सहयोग करने वाले व्यक्ति को आयकर में छूट की सुविधा प्राप्त है।

फोरम का Website:- फोरम का Website:-www.kushwahaabhiyantaforum.org के नाम से है। 30वीं वार्षिक आम-सभा के शुभअवसर पर प्रकाशित स्मारिका को अप्रैल 2022 के बाद फोरम के website पर देखा जा सकता है।

फोरम का उद्देश्य :- संक्षिप्त में फोरम का उद्देश्य समाज का चहुँमुखी विकास करना है। विस्तार से जानकारी के लिए फोरम के संविधान की कड़िका चार का अवलोकन करने की आवश्यकता है।

फोरम द्वारा संचालित कार्यक्रम :- फोरम के विवेक परक दृष्टि में समाज के उत्थान के लिए निम्नवत् योजनाएँ संचालित हो रही हैं :-

मैरेज ब्यूरो :- फोरम समाज के शादी योग्य लड़के-लड़कियों का

बायोडाटा एकत्र कर स्मारिका में प्रकाशित करते आ रहा है। समाज को इससे काफी फायदे मिल रहे हैं। स्मारिका 2021 में इस कार्य हेतु ऑनलाईन प्रकाशित बायोडाटा में से एक सौ शायदियाँ हो चुकी हैं। ऐसी जानकारी मोबाईल से सम्पर्क करने के दौरान प्राप्त हुई है। इसके संचालन से समाज में फोरम के सदस्यों का मान-सम्मान बढ़ा है। इसे व्यापक बनाने की आवश्यकता है।

जगदेव स्मृति छात्रवृत्ति :- फोरम तकनीकी सरकारी संस्थानों में अध्ययनरत मेधावी-गरीब छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति देते आ रहा है। दिसम्बर 2021 तक 6 डाक्टर, 187 इंजीनियर यानि कुल 193 छात्र-छात्रा इस योजना के सहयोग से डाक्टर एवं इंजीनियर बन चुके हैं। छात्रवृत्ति पा चुके एवं छात्रवृत्ति पा रहे छात्र-छात्राओं का नाम स्मारिका में प्रकाशित किया गया है। इस मद में फोरम द्वारा अद्यतन रूपया 43,26,000.00 व्यय किया जा चुका है।

कल्याण कोष :- फोरम में कल्याण कोष भी है, जिससे फोरम के सदस्यों को आपात् समय में मदद की जाती है। इससे फोरम के अनेक सदस्य लाभान्वित हो चुके हैं।

भवन निर्माण:- "मौर्य कुशवाहा अभियंता भवन" का निर्माण पटना, बिहार के दानापुर-खगौल रोड में रेडिएंट स्कूल के पीछे हो रहा है। यह भवन अखिल भारतीय स्तर का है। तृतीय तल का फिनिशिंग कार्य बाकी है इस तल पर वृद्धाश्रम के लिए आठ कमरा एवं एक कमरा रसोई घर के लिए बनाना है। सभी कमरा बाथरूम इत्यादि से युक्त होगा। मौर्य कुशवाहा अभियंता भवन के निर्माण अभी तक कुल रूपया 1,01,75,088/- व्यय हुआ है। इस भवन को अभियंताओं के भावनाओं के अनुसार निर्माण कराने में अभी रूपया 35,00,000.00 खर्च होने का अनुमान है। राशि के अभाव में करीब दो वर्ष से कार्य बन्द है। फोरम के दानवीर सदस्यों से आग्रह है कि इस मद में दिल खोलकर दान देने की कृपा बनाये रखे।

भवन को पूरा करने में करीब रूपया एक करोड़ पैंतीस लाख व्यय होने का अनुमान है। हमलोगों को यह सोचकर गर्व महसूस होता है कि आप सबों के सहयोग से भवन पर हमलोग अबतक एक करोड़ रूपया से ज्यादा खर्च कर चुके हैं। इस कार्य को फोरम के अस्मिता के साथ जोड़कर देखने की आवश्यकता है। इस कार्य में 16 अप्रैल 2022 तक सहयोग देने वाले सदस्यों का नाम-पता एवं राशि स्मारिका में प्रकाशित किया गया है। इसमें अपेक्षित सहयोग की आवश्यकता है।

फोरम से लाभ :- फोरम का गठन समाज के उत्थान के लिए किया गया है। इससे फोरम के सदस्यों को काफी लाभ मिल रहा है। इसे अनुभव करने की आवश्यकता है। फोरम की ही देन है कि हम सभी आज यहाँ एक साथ बैठे हैं। यह समाज के अभियंताओं को एक साथ जोड़ने की सशक्त कड़ी है। इससे समाज के एकता में भी काफी वृद्धि हुई है, साथ ही इसके गठन से समाज के अभियंताओं का मान सम्मान बढ़ा है।

क्षेत्र का दायित्व :- केन्द्रीय कार्यकारिणी का गठन आम-सभा के माध्यम से होता है। केन्द्र द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों को लागू करना क्षेत्र का दायित्व है।

वर्तमान में फोरम के उन्नीस क्षेत्र कार्यरत है यथा पटना, सासाराम, मगध, हजारीबाग, पलामू, राँची, जमशेदपुर, बोकारो, धनबाद, देवघर, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, सीवान, एन.सी.आर. दिल्ली, कोशी क्षेत्र-सहरसा, महानन्दा क्षेत्र-कटिहार, मिथला क्षेत्र-समस्तीपुर एवं बंगलौर। ऐसा पाया जा रहा है कि व्यक्ति विशेष के पदाधिकारी बनने से क्षेत्रीय गतिविधि में उतार-चढ़ाव आता है। संगठन में इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

फोरम के सदस्यों का निबंधन- फोरम के सुदृढीकरण के लिए समाज के अभियंता बंधुओं एवं समकक्षों का निबंधन किया जाता है। इसके लिए रूपया 50.00 निबंधन शुल्क साथ रूपया 1000.00 कुल रूपया 1050.00 जमा कर फोरम का आजीवन सदस्य बन सकते हैं। सामान्य सदस्य को आजीवन सदस्य बनने के लिए पुनः फार्म भरने की आवश्यकता नहीं है। पर अगले वर्ष मात्र रू० 1000 जमा कर आजीवन सदस्य बन सकते हैं। मार्च 2022 तक कुल 2808 निर्बंधित सदस्य है। जिसमें 2084 आजीवन सदस्य है।

स्मारिका प्रकाशन:- स्मारिका प्रकाशन में सहयोग करने के लिए सम्पादक, प्रबंध सम्पादक एवं सम्पादक मंडल के सदस्यों तथा विज्ञापन संग्रह समिति के सदस्यों का आभारी हूँ।

भवन, छात्रवृत्ति, कल्याण एवं दान मद में सहयोग देने वाले सज्जनों का आभारी हूँ। इसमें सहयोग देने वालों का नाम स्मारिका में प्रकाशित किया गया है।

सामाजिक संगठन को सुचारू रूप से चलाने के लिए समाज के प्रबुद्ध सदस्यों को आगे बढ़कर इसकी जिम्मेवारी सम्भालनी चाहिए। सामाजिक संस्था सशक्त रहे, इसके लिए ऊर्जावान, कर्मठ सदस्यों को आगे आकर स्वेच्छा से जिम्मेवारी वहन करना होगा।

मैं ऊर्जावान साथियों से आग्रह करना चाहता हूँ कि संकोच को छोड़ कर फोरम के कार्य-कलापों में सम्मिलित होने का सफल प्रयास करें। उसके लिए इस मंच से सबों से महीने में एक दिन का समय फोरम को दान करने का आह्वान करता हूँ।

आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि फोरम के उद्देश्यों एवं संचालित कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार सुचारू रूप से किया जाय तो कुशवाहा समाज के चहुँमुखी विकास में कोई भी शक्ति बाधक नहीं होगी।

जब हौसला बना ही लिया है ऊँची उड़ान का।

तब क्या नापना है ऊँचाई आसमान का।।

जय हिन्द, जय कुशवाहा अभियंता फोरम !



(ड० देवी प्रसाद सिंह)

महासचिव